

राज

कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 350

नागराज और अजगर का तूफान



मुफ्त

नागराज का एक
पोस्टर

अजगार

का लूफान

संपादन: मनीष चंद्र गुप्त
कथालेखक: ललित कुमार वारी
कल्पनिर्देशक: प्रताप मुकुंद
चित्र: चंद सुप्रेम: भास्कर



स्कॉटलैण्ड। ग्रेट ब्रिटेन का उत्तरी भाग। शहर में फैली थी आगकल एक सुपगती बीमारी-



अहा! चोरेट।
अब मैं भी पापा की
तरीक कइ जमा सकूंगा
बच्चों के लिए बनी इस
'सास' सिगरेट के।

??



जेम्स। सिगरेट पीना
धुरी आदत है बेटे। ये फूंक
डापती है फेफड़ों को। इसका
एक कदम इन्सान की जिन्दगी
के पांच मिनट कम कर
देता है।

आपको शायद
पता नहीं कि चोरेट
कम्पनी की ये सिगरेट
सास हम बच्चों के
लिए ही बनी है।



कसम साओ कि
आज के बाद सिगरेट की
हाथ तक नहीं लगाओगे।

उफ! न जाने शहर
में कहां से आनंद
है ये चोरेट की
बीमारी।

वाई गॉड! आप
कहती हैं तो कभी
हाथ नहीं लगाऊंगा
मम्मी।

जेम्स को तो सिगरेट की आदत
का शिकार होने से बचा लिया
उसकी मम्मी ने-

लेकिन वे बच्चे जो 'किड' जैसे कपड़ों के सदस्य थे और पानापान की हद तक 'चोकेट' का शिकार हो चुके थे।



जो स्वतन्त्रता के जंगली जानवरों को अपना सबसे बड़ा दोस्त मानता है।

दुनिया का नम्बर एक 'अमीर' बनना जिसका एक मात्र अहंकार है।

ब्रिटेन में डॉटों की ऐस का अकेला प्रायोजक।

अजगर।

कहो बिलोकी !
कैसी भाव रही है
चोकेट बच्चों को ?

अजगर महान
को बिलोकी का
वन्दस्कार।

चोकेट खूब रही
है अजगर महान। मैं
अपनी आँखों से देख कर
आ रहा हूँ। चोकेटने
बच्चों को अपना दीपना
बना लिया है।

गिलाशों के टूटने की तीव्र आवाज ने अजगर महान का
ध्यान भटक दिया।

मौत की किसमत घर किसमत
चला गया वह बदकिस्मत गार्ड...

खन-खन-खन

क्रोधित हो उठा अजगर। हाथ में धमे रिमोट का एक बटन दबाया
उलने-

निकम्मे लोवों
के लिए सिर्फ मौत।
BOILING MUD

आह!

और जा पड़ा BOILING MUD नाम की उस भयानक मौत में -



कुछ ही फलों में दहकती हल के उस भंवर ने उसे अपने ऊपर समेट लिया -



अजगर विशजमान हुआ अपने वैमिशाल सिंहासन पर -



देखा गुरैया।
चोकरे वलों को चौकने की तरह बुझा रही है। ब्रिटेन में तो अब यह बड़े पैमाने पर विकने लगी है।

गुरैया। कहते हैं उसकी असली सुस्त आज तक सिवा गुरैया के किसी और ने नहीं देखी -



अपने नुकीले खूनी नाखूनों से दुश्मनों की कमड़ी गूँजोड़ता है जैसे कयाई बकरे की खाल अंगन कर रहा हो।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन गुरैया अजगर के निमंत्रण पर पहुंचा था वहां -

गुरैया। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तुम्हारी फकड़ है और मैं चोकरे को विश्व के कोने-कोने में पहुंचा देना चाहता हूँ।...



तुम्हें मुहमांगा कमीशन जिम्मेवा गुरैया, बोले ?

मुझे तुम्हारा ये प्रस्ताव मंजूर है अजगर !



लेकिन अजगर ! चोकरे में ऐसी क्या विशेषता है जो बच्चे उसके दीवाने होते जा रहे हैं ?

चोकरे में 'स्प्रीट-पॉयजन' नाम का एक तरह का नस्ल है, जो मैं इण्डिया से सम्बल करता हूँ। पहला कदम लेने के बाद ही बच्चा इस नशीली सिबरेट का गुणम बन जाता है।

इसका मतलब चोकरे के रूप में आप बच्चों की मौत बेच रहे हैं महान अजगर !

हा हा हा ! अगर हम मौत नहीं बेचेंगे तो पैसा क्या से आयागा सुरैया ?

बिलोकिरी ! कैम्ब्र-रेस के लिए बच्चों की नहीं सेप का आ रही है भारत से ?

इसी सप्ताहांत में अजगर महान !

सुरैया ! व्यापार तो हमारा अब धम्ता ही रहेगा मैं तुम्हें अगले सप्ताह होने वाली अति रोमांचक कैम्ब्र-रेस देखने का निमंत्रण देता हूँ।

मैं अवश्य से रेस देखूंगा अजगर !

नागराज दिल्ली में, जिसके लिए एक छोटा सा विज्ञापन बन गया था
उत्सुकता का कारण-

नवभारत टाइम्स, दिल्ली
नागराज, सहज को तुम्हारी
मदद की आवश्यकता है।
आशा है तुम दिल्ली के
चिड़ियाघर में अवश्य आओगे।

अरे! यह
विज्ञापन?



कौन है यह सहज?
और मुझसे कैसी मदद
चाहता होगा ये?

नागराज चिड़ियाघर में दाखिल हुआ-

उसे कहाँ
दुंदुबा? कैसे
पहचानूँगा?

PARK

उसी समय-

उन्हें देखते ही बचने के लिए
उस बड़े ने जो शस्त्राग्न
वह सीधा मौत की ओर ही
जा रहा था -

सहज तुम्हारे हाथ
कभी नहीं आयेगा।
उसे नागराज से
मिलना है।...



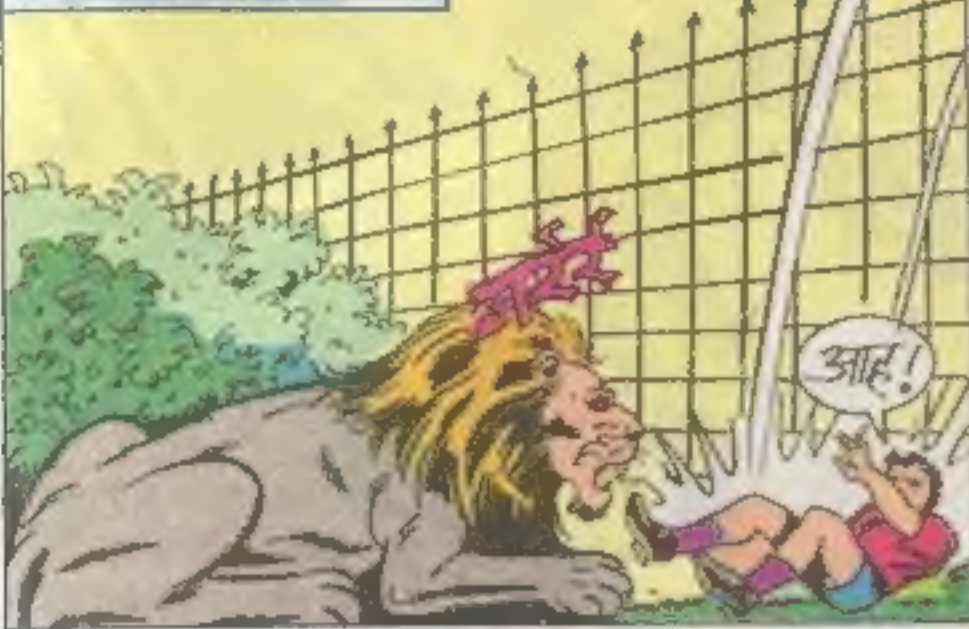
फकड़ी
उसे।

वह रहा।



... केवल
नागराज से...
अह!

शिकार की गंध पाकर सुस्ता रहे जंगल के राजा के सिंह से निकामी खुनी बुराहनें -



यहो अच्छा हुआ।
अब हमारा काम ये शेर
निकाल देना।

स्विसको अब
यहां से।



चिड़ियाघर में आने वाली व
वर्षाओं के रेंगते लगे हो गए
उन गजानन बुराहनों का बुरा
करके ही -

चिड़ियाघर के शेर
अपसा भुखे होते हैं।
अब ये नहीं बचने
का।

नहीं-नहीं।
कितना मासूम
बच्चा है?

ये भीतर
जिध कैसे?

मां! क्या वह
शेर उसे खा
जायेगा?



शेर अब सहान से खा केवल एक
साथ की दूरी पर -

नन्हे शहस को दबीच लेने के
लिए इसी पल झपट पड़ा शेर -



अहं! नागराज
तुम समय
पर न पहुंच
सके।



लेकिन उस तक पहुंच पावे का सिंहराज
का अहसान पूरा न होने दिया नागराज ने -



प्रयत्नना से सिम उठा राहुन का चेहरा भी-



नागराज ने सिंहराज को पूरे सम्मान के साथ कंधों पर उठा लिया।

छवयाओ नहीं सिंहराज! तुम्हें मारने का मेरा कोई इरादा नहीं है।

नागराज सिंहराज के साथ नीचे गिर पड़ा-



नागराज चिड़ियाघर के उन कर्मचारियों को देख चुका था जो जास्य खोलने सिंहराज को दबोचने के लिए तैयार खड़े थे-



खजगर का तूफान

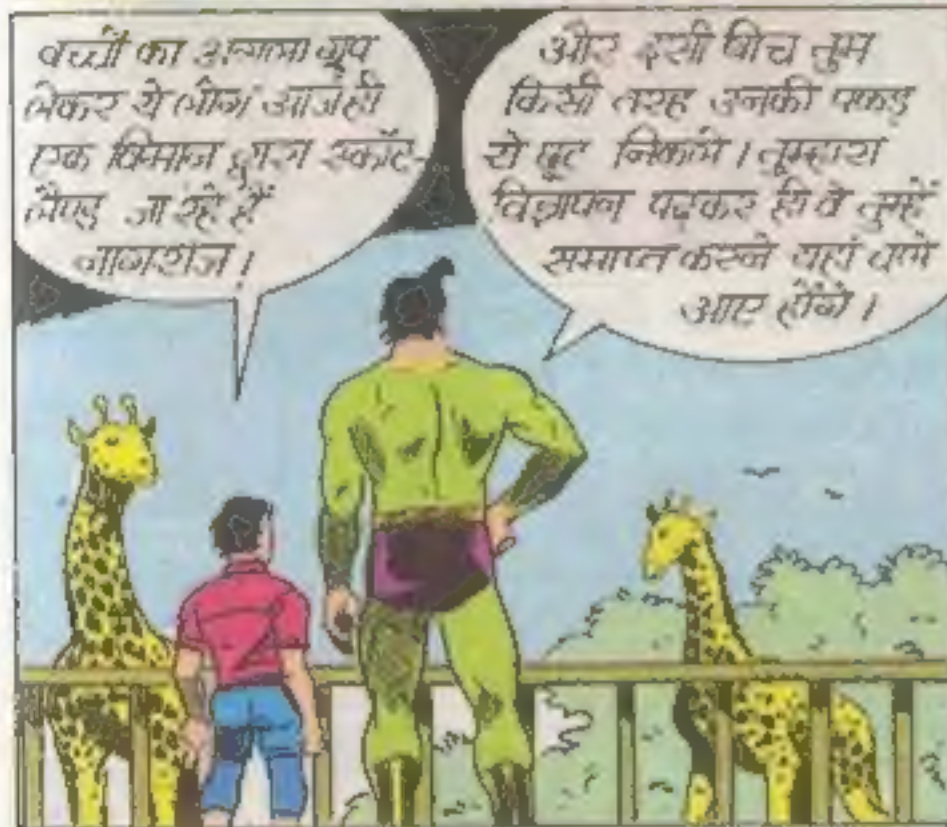


कौन हैं
वे लोग?

बच्चों के
व्यापारी
जानराज!



ये लोग खजगर-फुसफुस कर
फार्म में गैस बच्चों को अन्वेषण
करते हैं। फिर उन्हें यूरोप भेज
दें हैं केमल-इस के लिए।



बच्चों का अन्वेषण गुप्त
भेकड़ से लोग आज ही
एक विमान द्वारा स्कॉट-
लैंड जा रहे हैं
जानराज!

और इसी बीच तुम
किसी तरह उनकी पकड़
से छूट निकालें। तुम्हारा
विज्ञापन पढ़कर ही वे तुम्हें
समाप्त करने वाले वामे
आए होंगे।



ऐसा ही लगता है
जानराज! लेकिन अब
अगर तुमने देर की तो
वे लोग हाथ से
निकल जायेंगे।

नहीं राहुब! अब
देर नहीं होगी और
बुराई जानकारी के
लिए तुम्हारा सुविज्ञान
नष्ट होवेगा!



इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली -

बच्चों का गरी
गुप्त जा रहा है
स्कॉटलैंड!

लेकिन यह क्या?
बच्चों को ये पैकेट कैसे
बांटे जा रहे हैं?



गुप्त के एक बच्चे ने पैकेट खोलने की चेष्टा की-
नहीं! ओह, चौकपेट्स के इस पैकेट को
स्कॉटलैंड पर पहुंचने पर ही खोलना
है तुम्हें!

??

बच्चों को चॉकलेट के पैकेट वहीं दे दिए गए हैं; पर उन्हें चॉकलेट स्थान से मना क्यों किया जा रहा है?

यह रहस्य गहराता जा रहा है। अगर मैंने बच्चों और इन पैकेट्स को यहीं शेक दिया तो स्कॉटमैण्ड के वे मुजरिम मेरे हाथों से बच निकरेंगे जिन्हें ये बच्चे सफाई किये जा रहे हैं।

चलो बच्चों अब हमें विमान पर सवार होना है।



नागराज के लिए टिकट का प्रबंध कर पाना कोई मुश्किल काम नहीं है।

★ नागराज के लिए सभी रजिस्ट्रारों ने स्थानांतरण की टिकट मुफ्त घोषित की हुई है।



विमान आकाश की कपाड़ों में झाँक रहा जबकि भीतर नागराज -

और अब नागानन्द लेकर आयेगा उस बच्चे की ओर में पड़ा वह पैकेट।

★ नागराज की सर्व सेना का एक नायक



वही सफाई से नागानन्द आदियों के पात्रों के बीच से होता है या निकलता -



किसी को न स्कोप तक न हुई -

नाजारा तैयार में पहुँचा -

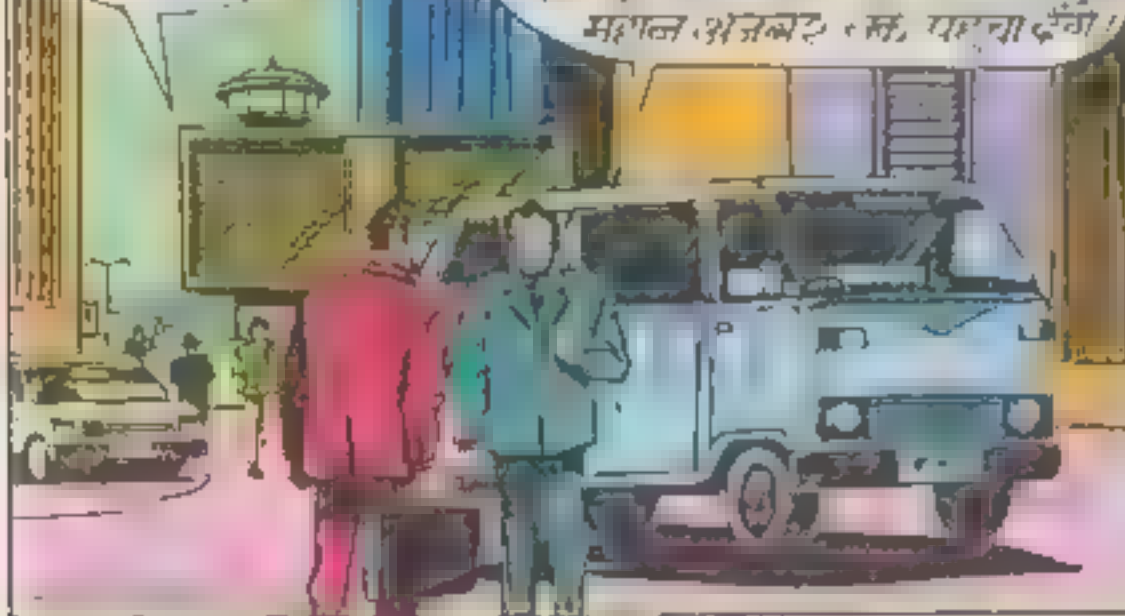
तो मेरा शक ठीक निकला।
इन पैकेट्स में चाफेराय
व, स्थान पर स्वीट पाय
नन भेजा जा रहा है।



भयानक खेप खेपा
ज रहा है इन बच्चों
के साथ और मुझे
पहुँचना है, ये भयानक
खेप, खेप रहे उन
खिलाड़ियों तक।



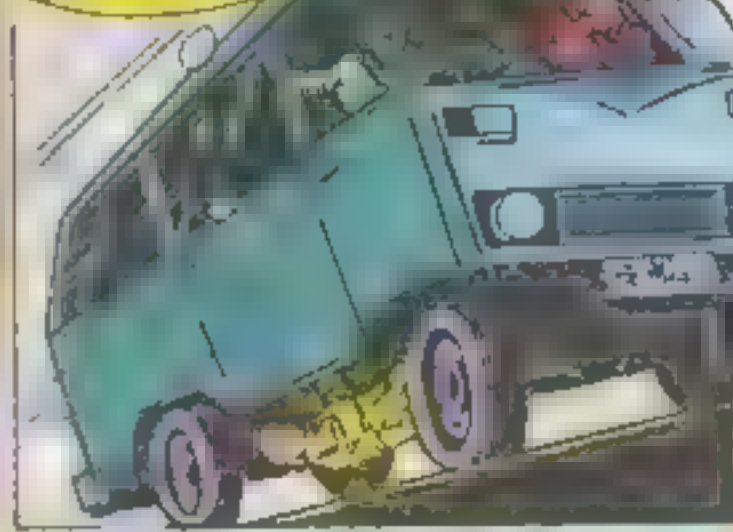
स्कोटरों से एक वेन इन बच्चों का बेकार एक्स्प्रेस से चिट्ठा हुई
शुक है सास काम
चिक-छाक निपट
गया।



हां, बच्चों से स्वीट-फैन्जन के पैकेट्स
लेकर उन्हें ससली चौकबंदी में
दी गई। अब हम यह स्वीट पाय
महान अजगर तक, पहुँचा देंगे।

क्या बकड़े आस काम तक एक
निब्रु था?

ये वेन मुझे लेकर जायगी।
मौल का खेप खेपने
वाले इन खिला-
ड़ियों तक।



शायद कैसाप-रेम-द-कॉन्स के लिए भरी थी, एक-दोनों में रहो थी
देह इन बच्चों के हाथों में।



सब्र देखो में खेप
गाने वापस य भी बस-नक
खेप सब स्कॉलरशिप में वन
इस विशाल स्टेडियम में
भी खेप नकेंगा।

ऐसा क्या रहा है
जैसे हम सचमुच किसी
रेजिस्ट्रार में भा
जाए हैं।



अजमेर के साथ इस रेस को देखने के लिए अस्थिर
था गुरैया -

गुरैया! कुछ
ही देश में आरम्भ
होगी कैमल रेस।

अख की कैमल-रेस
के विषय में तो काफी कुछ
सुना था, आज यूरोप की
कैमल-रेस देखूंगा।

उधर वैन 'डिजर्ट-इन यूरोप' स्टेडियम में जाकर
रुकी -

DESSERT IN EUROPE S

जल्दी करो। बच्चों
को ले जाओ। कैमल-
रेस आरम्भ होने का
समय हो गया है।

जावाशत्र वैन के नीचे से निकल -

कैमल रेस में
बच्चों का क्या इरते
माल होगा -

कैमल-रेस के लिए कुंठों
को मैदान में छोड़ दिया
गया

बोंस

बोंस

कुंठों की
रेस आरम्भ
हो गई।

इंसानों का शेरमार्च के कारण बूझ गया था-

अफ! इनकी पीठ व गर्दन पर इन बच्चों को क्यों बाँधा गया है?

कुंटों के आगमन के दौरान इन बच्चों को जब लक्ष्मीक होती है तो बच्चे जोर-जोर से रोते हैं और इनके रोने की आवाज से ही उत्तेजित होकर कुंट और तेजी के साथ भागने हैं।



एक-एक कुंट पर लगा था आभी पोंस का गुसा

13 नम्बर वाला कुंट नीतिगा। जैसे उस पर लगाया गयास हजार पोंस।

17 नम्बर वाला नीतिगा। एक भास पोंस लगा धका है सै रस पर।



उठों पर बंधे बच्चों से तीस सं सं-



अजगर महान इस कैसब-रस से सायको क्या भास होगा है?

सहारेन कि लक संदर पर भी भास पोंस का कुसा संकन है जहाँ क लोग। कि मेरा मुनाप है।



करीबें संसक दरीक अग्रानक दसक सं

अफ। वह बच्चा तीस निरन वाला है।

कुंट के कुलन में बगी रसकी दरसी खुप नई है।



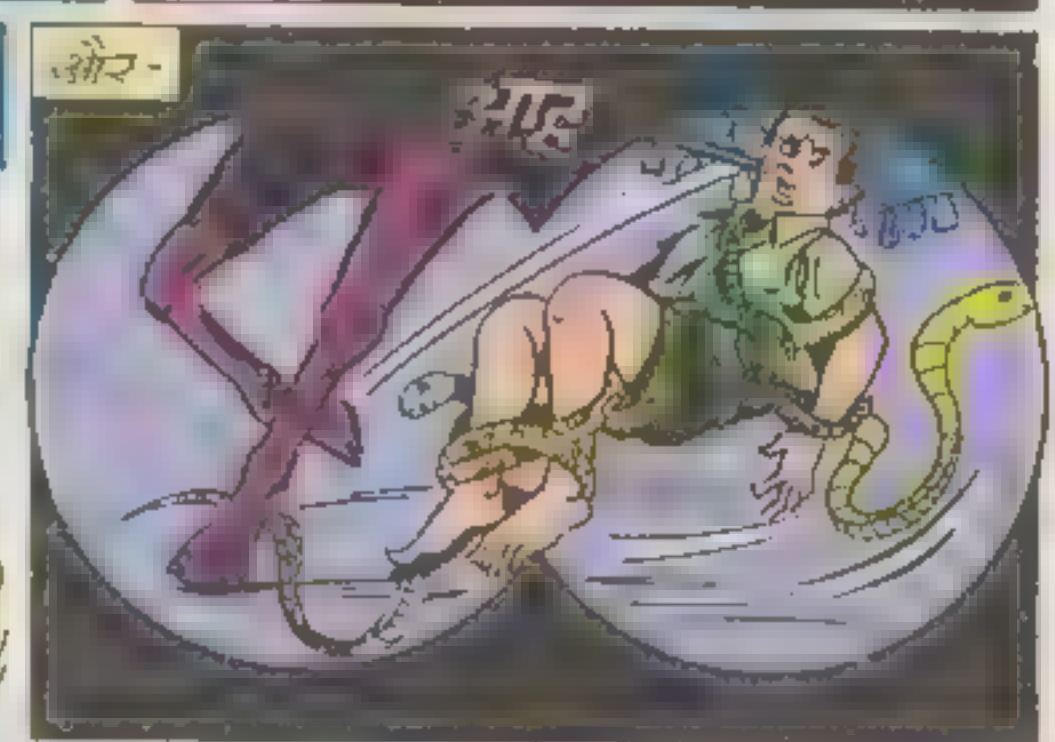
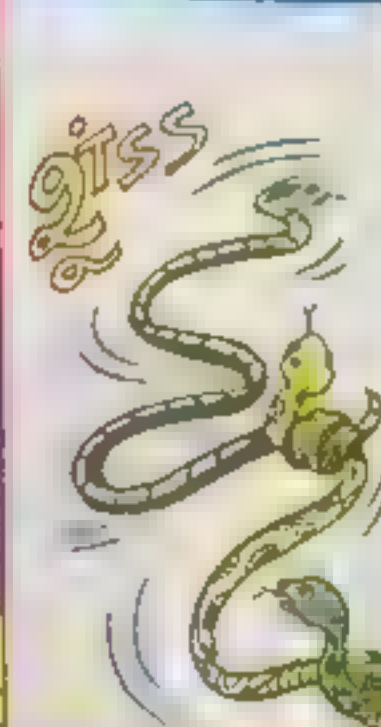
नीचे गिरने ही आधाकुल भाग रहे ऊपर के पांशों के नीचे कुचककर उस बच्चे की सत्यु निश्चित थी



बढ़ता हुआ अंत का पांव बच्चे के सिर से था केवल कुछ ही इंच दूर



ही, इतनी दम द...
रा, रई, फट फट...

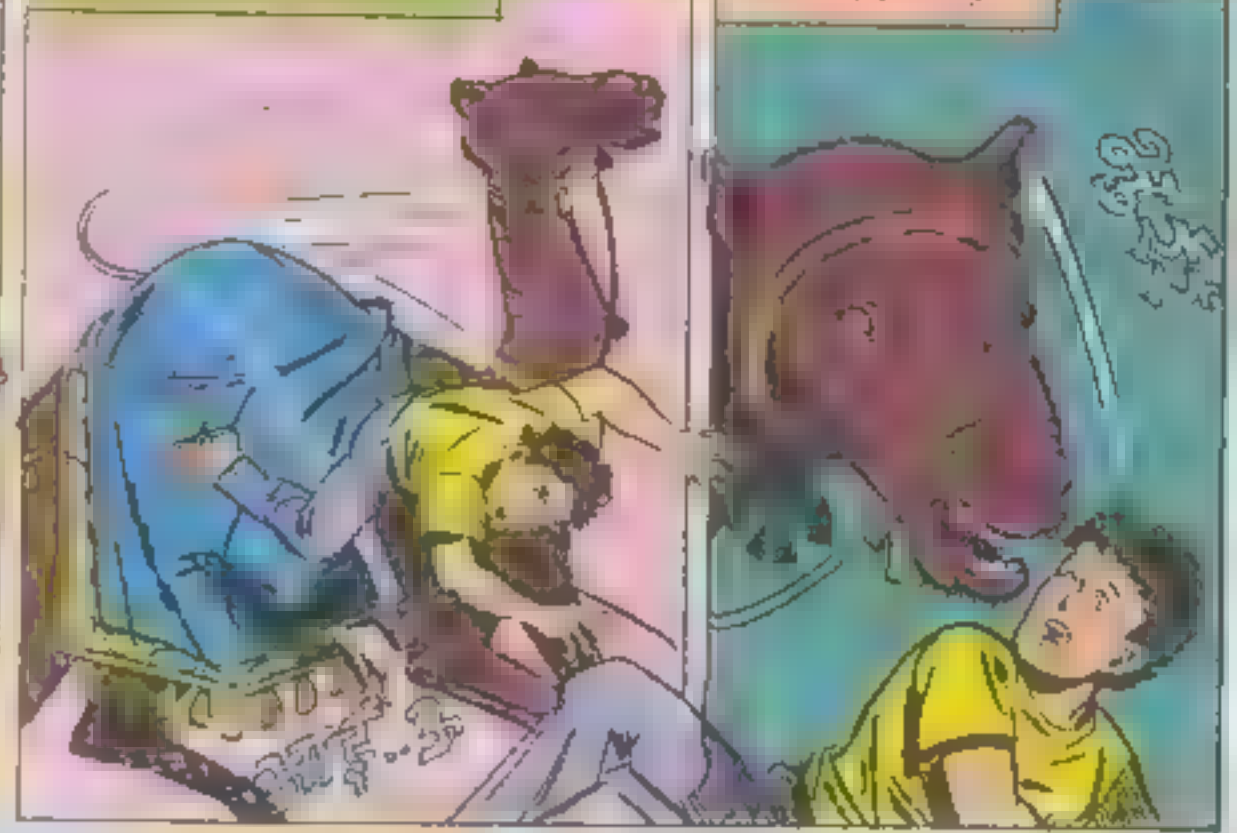


अजगर का तूफान

स्टूडेंट्स अपनी घूमने-सीमा पर थीं -



अचानक एक बच्चा फिर उछामकर
बिना रुकते भागने लगा -



क्रोधित हुंठ इसे वापस के
लिए भागे वला -



और इस गायन रात
अनला के लड़क
द बला -

नहीं। इस बार यह मेरी नजसें
का धोखा नहीं हो सकता। कई
कैमल-रेस कल चुका हूं मैं इस
मैदान पर। कई बच्चों को भादों
में बढ़ाते देख चुका हूं।



कैलाश देव शेरुकर का शस्त्र
हथी सज्जनर



आओ बुरेबा! रावो यहा मे।

ए. ७ नम्बर थर्जिन ने ही जैती
का रुट बूट -



मे जान क्या

कंटी को 'कैलाश ज्ञान' से लाया
गया



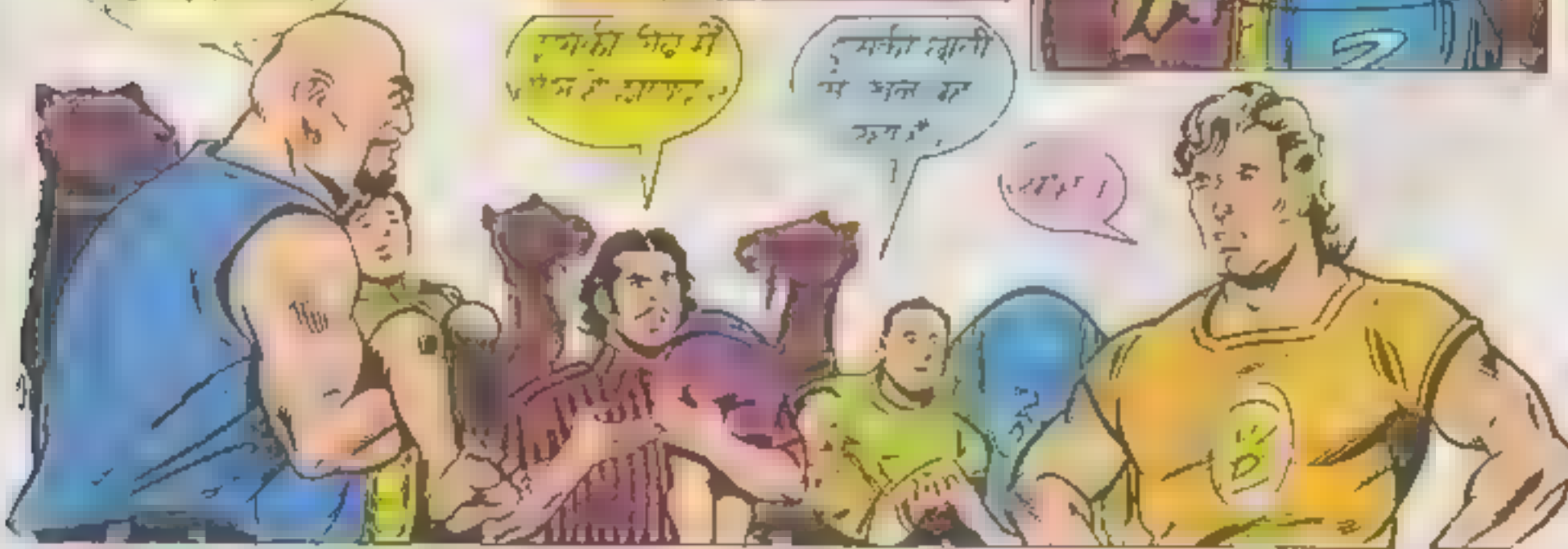
इन्हें पर बंधे
बच्चों को
शोष दो।

बिजोका ज्ञान! हम
बच्चों के हाथों में हथी
रुट गई लगती है।

इन्हें फट में
पहन रहे हैं।

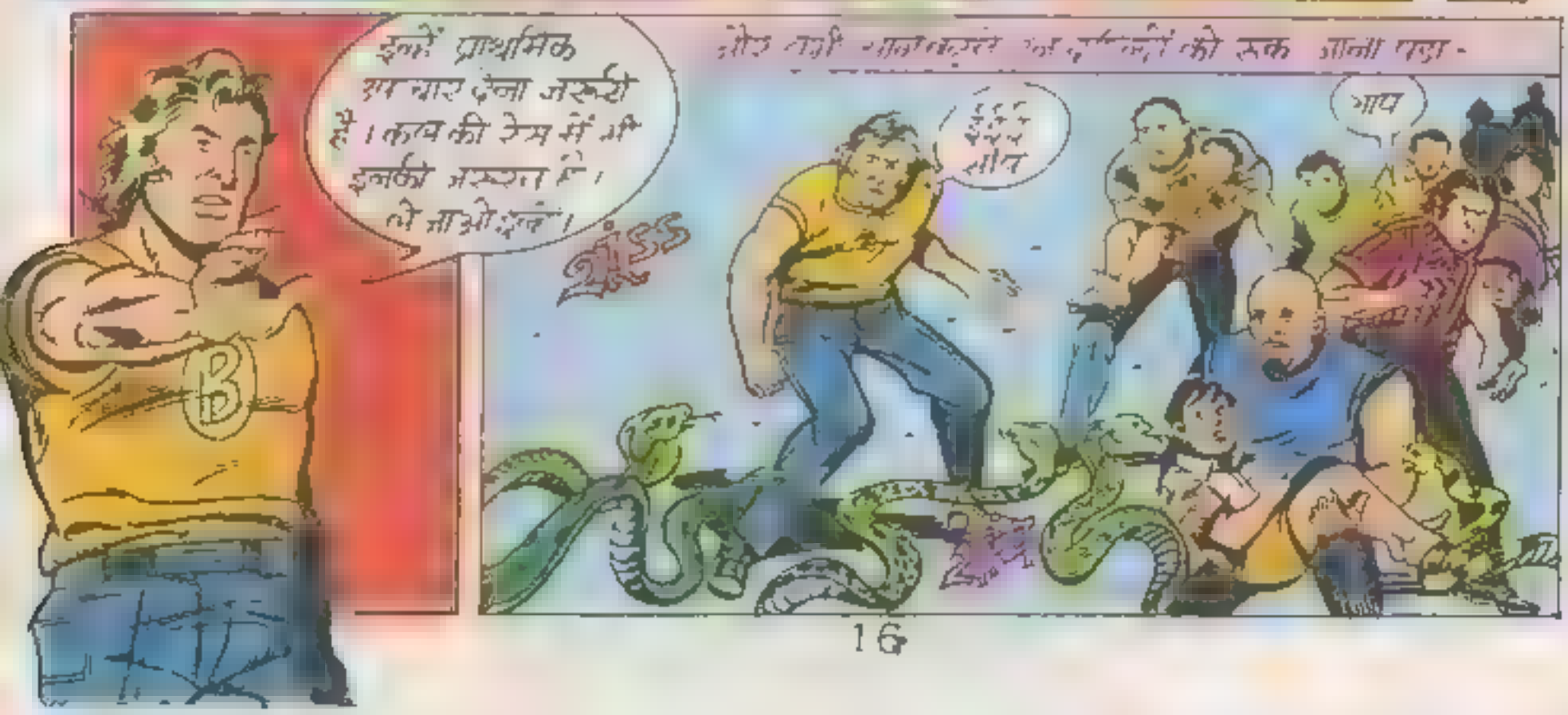
इन्हें ज्ञानी
में धन का
रुट है।

रुट है।



इन्हें प्राथमिक
शिक्षण देना जरूरी
है। काल की रेस में भी
इन्हें जरूरत है।
ले जाओ इन्हें।

जोर जारी गानाकरने का दुर्लभता को रुक जाना पड़ा -



अजगर का तूफान

ये इतने सारे साँप
कहाँ से आ गए?
उफ!

नागराज से पहले ही
फरचले हैं, क्योंकि
सर्प मेजा के
जवान.

बच्चों से दूर हट
ता भी बरहमो, वरना ये
साँप हमारे जी शक्ति
वे हमें मारिन
होगे।

जान बच!

नागराज!

नागराज को देखते ही बिलोकी
को दृष्टांत में राजा की मर्ति यह मर्ति

ये तो नागराज
है। ये यहाँ
कैसे..

नागराज बच्चों के स्न दृष्टांत में लिए एक स्नोनी गत स्नोनी था -

बिलोकी। नृशसे शरी
बिलोकी। पहले उनका
न नाम कर ले।

जान बच। इन
झोतानों को मार
डालो।

नहीं। प्यारे बच्चों, इतनी
जल्दी नहीं। कैसा म रेग का
आनन्द साथ स्न भी तो
लेगेन।

नागराज ने सारे बच्चों को स्न से स्न स्नोनी कर
मेवांन दिया -

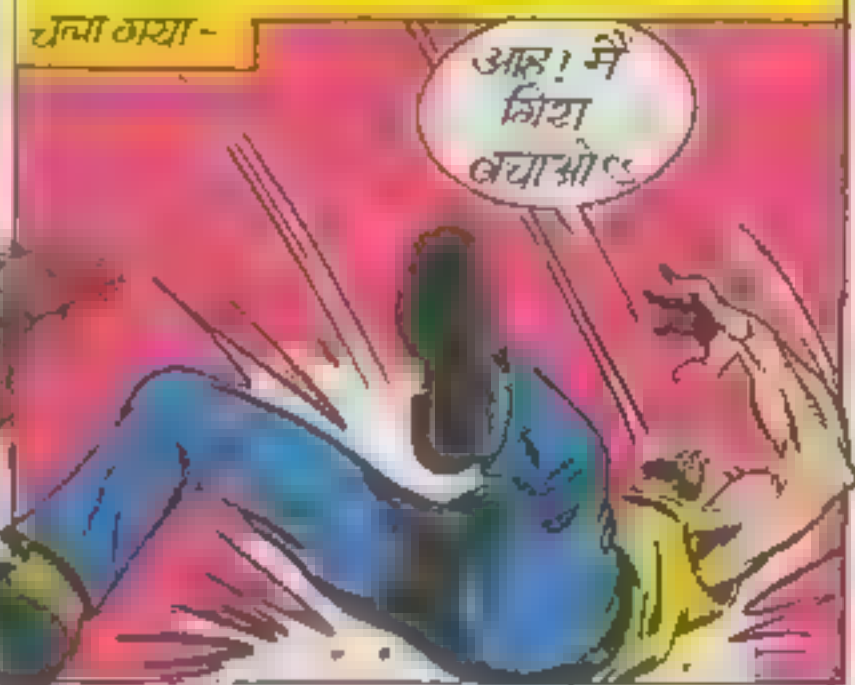
नहीं नागराज!
मे छोड़ दो।

स्न शुरू होने ही मैं
नम स्नोनी स्नोनी
कर रहा।

एक बार फिर आरम्भ हुई कूट नीड -



एक एक करे नागराज उन्हें स्वतन्त्र करता चला गया -



अं भी अपने दुश्मनों को खुद सजा दे रहे थे -



अब बारी थी बिम्बोकी की -



नागराज का सबसे पाकर सर्प बुरा नरह पंकाय -



मौत के भय से दूर भगा बिम्बोकी -



इसी नाम से प्रकट गीत
प्रकट गीत -

मौ. नामराज

आह ये अजकल का त.
 प्रकल है। मैं भव में की
 चयना। अ. स्त्रीत पाँच
 वन व घोषित।

५५५

† ॥

55!

नागराज के देखने ही देखत
बिनाकी नारा में कदम गया।

וְלֹא יִשְׁכַּח אֶת הַמִּצְוָה
 אֲשֶׁר צִוָּה אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל
 לֵאמֹר לֹא יִשְׁכַּח אֶת הַמִּצְוָה
 אֲשֶׁר צִוָּה אֱלֹהֵי יִשְׂרָאֵל

स्वादि मे, मे
सप्त. ११ अंगार सेवमा
मेय. ३३ अंगार प्रिक, १०

गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

'अ' नहीं पच्छो । अ
 और तैयाम उअ नहीं लेली ।
 इम 'जगत' इन युगप' में
 जाका यजका य कायदा है
 अजेया मर के
 अलो में ।

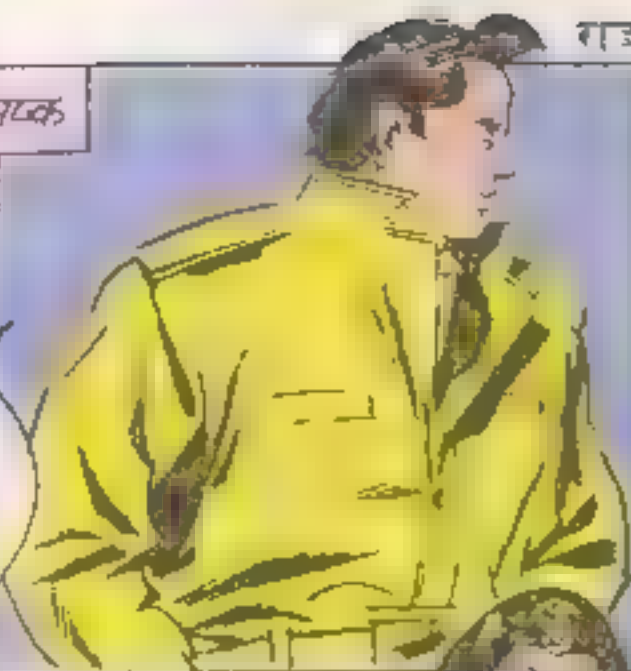
आज यहाँ मैं गवर्नरों को
मकान बनाने मिलेगा सुप्रीम
या हमारा कंजर्वोनेयन में।

लेकिन इन जादूगान
बच्चों को यहाँ किसी के
संरक्षण की हर पाप
साध इसका रहेगी।

जब तक मैं अजरार का स्वात्मा नहीं कर लेता, इन बंधनों को इस हौद में ही रखना ठीक होगा।

ख नागराज के सस्त्रिक में गुना एक नाम -

सोडानी ! हा, सोडानी से अच्छा शरभक मुझे इस वक्त नहीं मिल सकता इन बच्चों के लिए।



आपने चिन्मा में वास करनी इस धार्मिक नातिन सोडानी को रक्षाग

नागराज ने सोडानी ! वास्तु आओ ! मुझे तुम्हारी मदद की आवश्यकता है।



नागराज के चिन्मा में चिन्मा कर सोडानी मानव रूप में परिवर्तित हो गई।

नागराज ! तुम ने भुला ही बैठे थे सोडानी को।

मेरे तुम्हें कभी भुला नहीं सकता सोडानी ! अगर तुम मुझे न मिलाती तो मैं नन्दू के शहराहा सूतेन शर्मन का खोम करती सत्तननकर थाता।



सोडानी और सूतेन-शर्मन के विषय में राज के लिए पढ़े नागराज का एक आदि शरभक काविकल्प - नागराज और नन्दू का शहराहा

बच्चों को सोडानी के संरक्षण में भेजकर नागराज बच्चों से विदा ली-



कभी ही फिर मुलाकात होगी बच्चों !

अरे ! हम भी नागराज के साथ रह पाते।



WISH YOU GOOD LUCK NAGRAJ !



हेराफेरा से बाहर ही निकलना था अभी नागराजकि

पकड़ो मेरा पर्स।

२२

नागराज से न बच सका वह बेच-कतारा -

इतनी बेटी उस में ये गन्दी आदम कैसे पड़ी तुम्हें?

मुझे वह पर्स दे दो मुझे थोकर थारि।

नागराज के मस्तिष्क में धमक सी हुई यह नाम सुनकर -

थोकर नामेली तो पावलाये गुरुग में। फीज, मुझे वह पर्स दे दो।

थोकर

कहा से गिलागी है तुम्हें थोकर भूलो कहां ले गयो। मैं तुम्हें थोकर दिला दंगा।

तुम.. तुम दिलावाओगे मुझे थोकर?



अचानक लड़के पर पावलाकत सगल हो गया -

नहीं-नहीं। मैं थोकर नहीं पीना चाहता। मुझे थोकर से बचलो। मुझे थोकर से बचाओ।

आह!

२२

मेरा पर्स



नागराज ने पर्स के मार्किट का सफा पर्स निकाला।

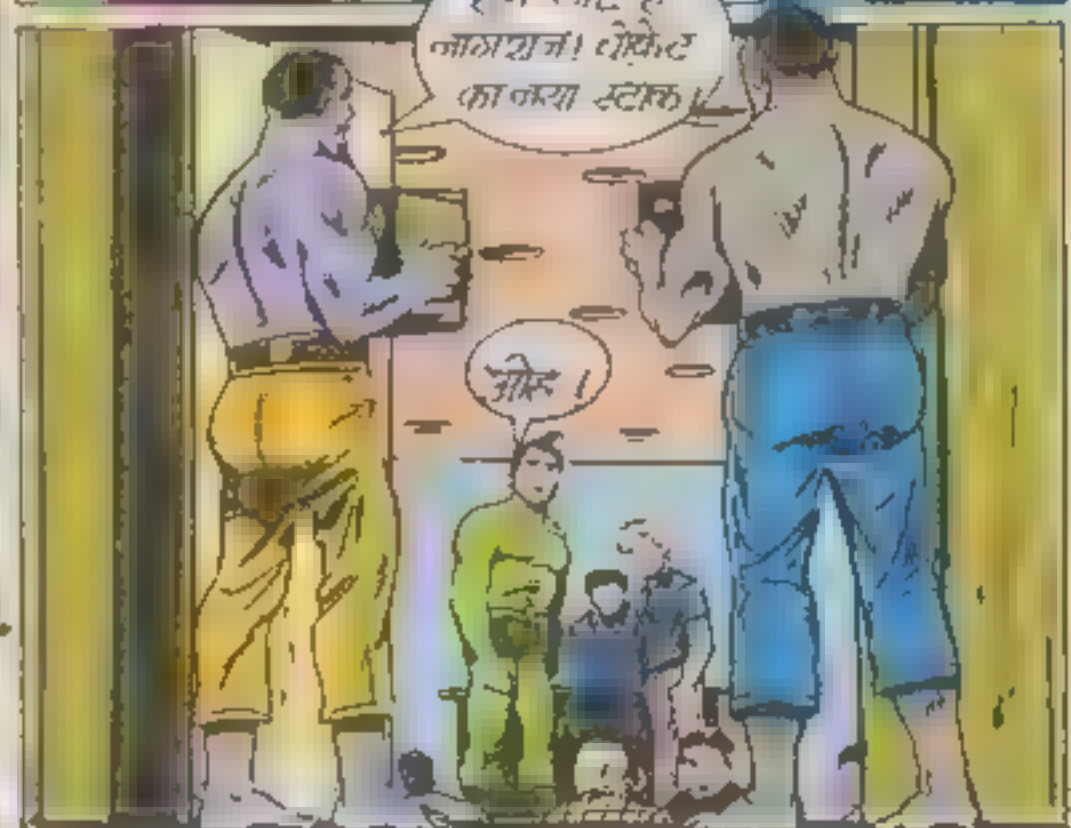
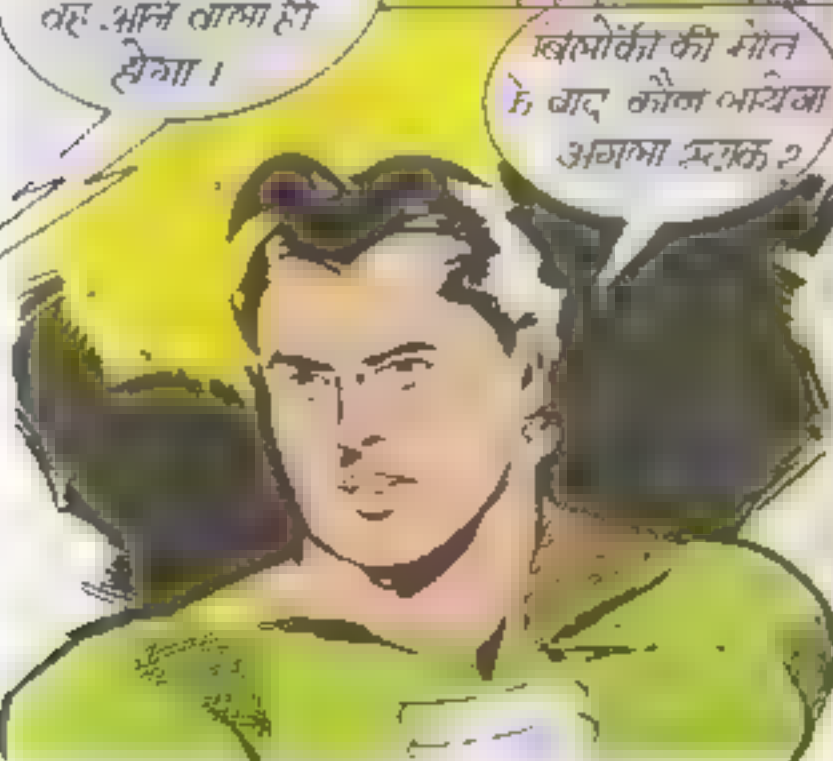
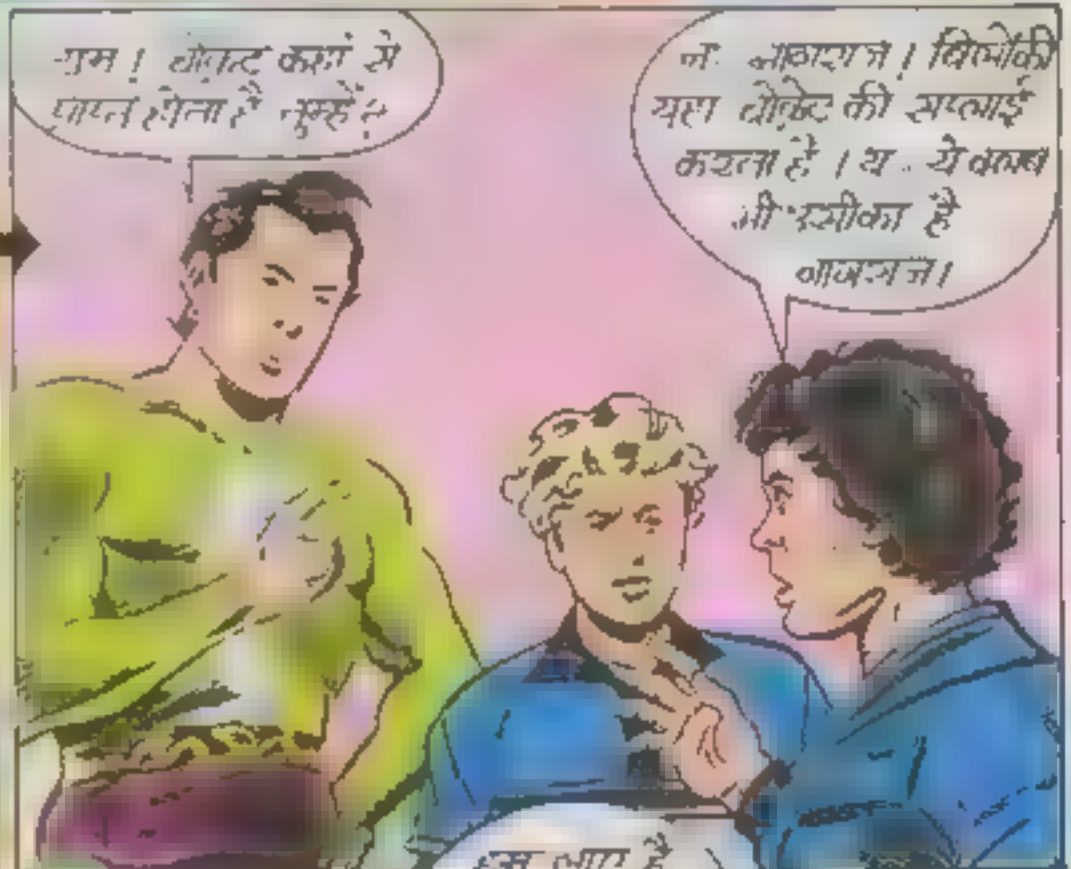
ये थोकर तो दीसक बनकर धाट जायेगा विश्व के लड़कों को।

२२

ये थोकर है क्या चीज?

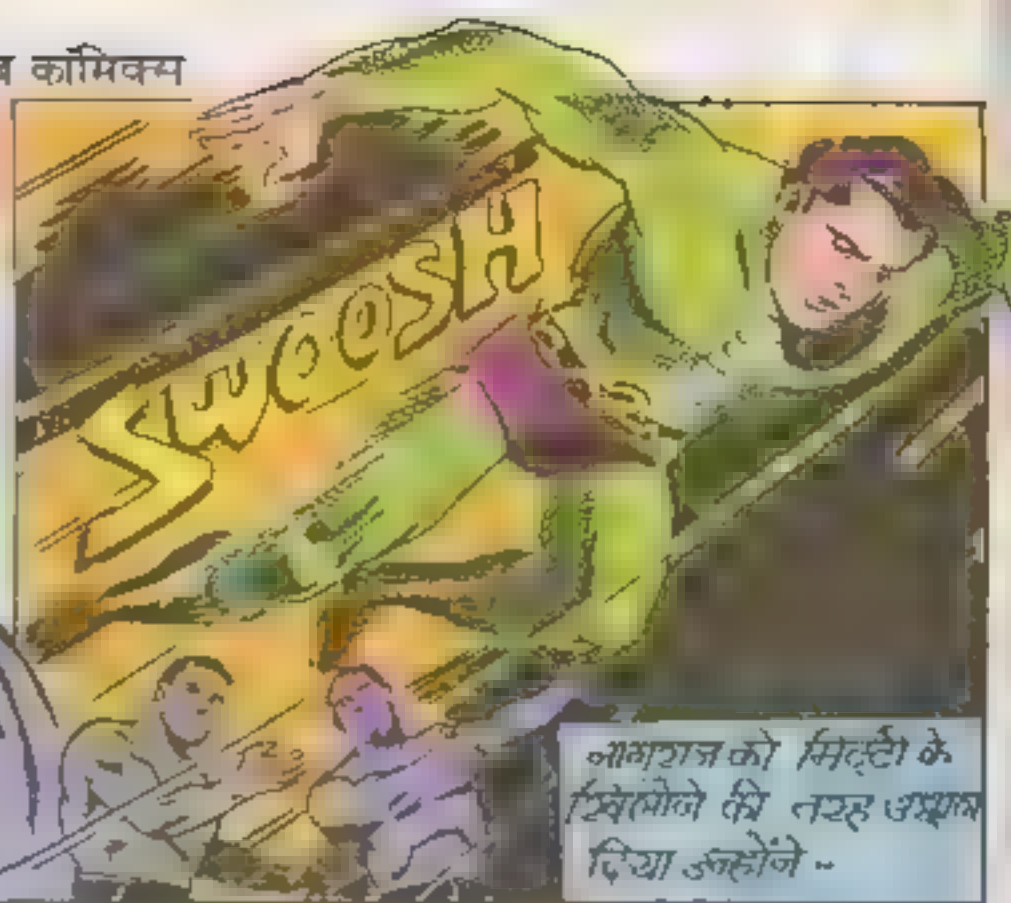






चोफ़्ट का नया स्टाक कार्डेंटर पर शस्त्रों के साथ है—

लूकर और लूथर
मिलकर अपने दुश्मन
के चिरम पर गांठ
बांध देते हैं।



नागराज को मिट्टी के
खिलोने की तरह उभाल
दिया उन्होंने—

नागराज आकर गिरा जग की
मेज-कुशियों पर—



इस हंगामे से बत्नों में अफरा-
तफरी मच गई



निकमो। कल
से। यही दबाव
हो रहा है।

लूकर मुंह से खूनी बुर्रहूर निकालता
हुआ हवा में डरता—



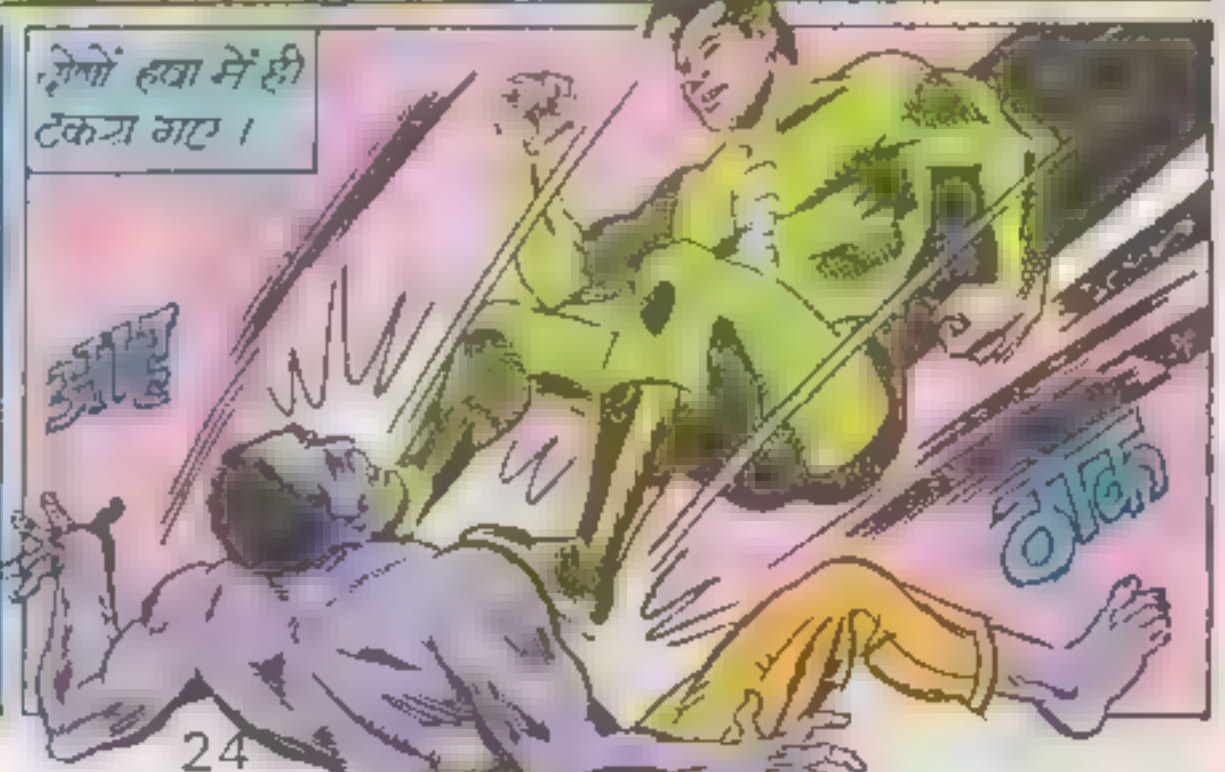
जग तो कंगारू
की तरह लगा
रहा है।

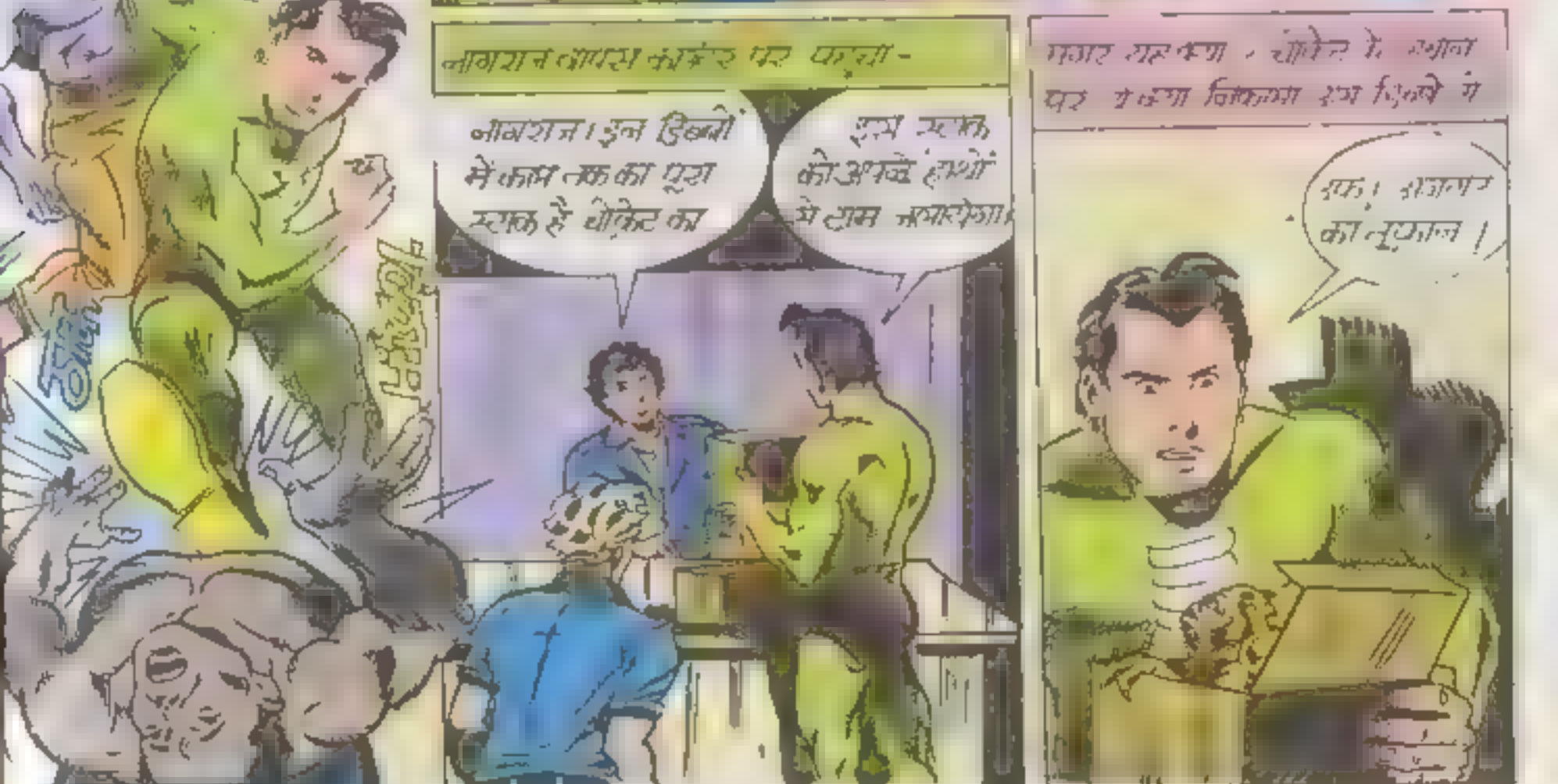
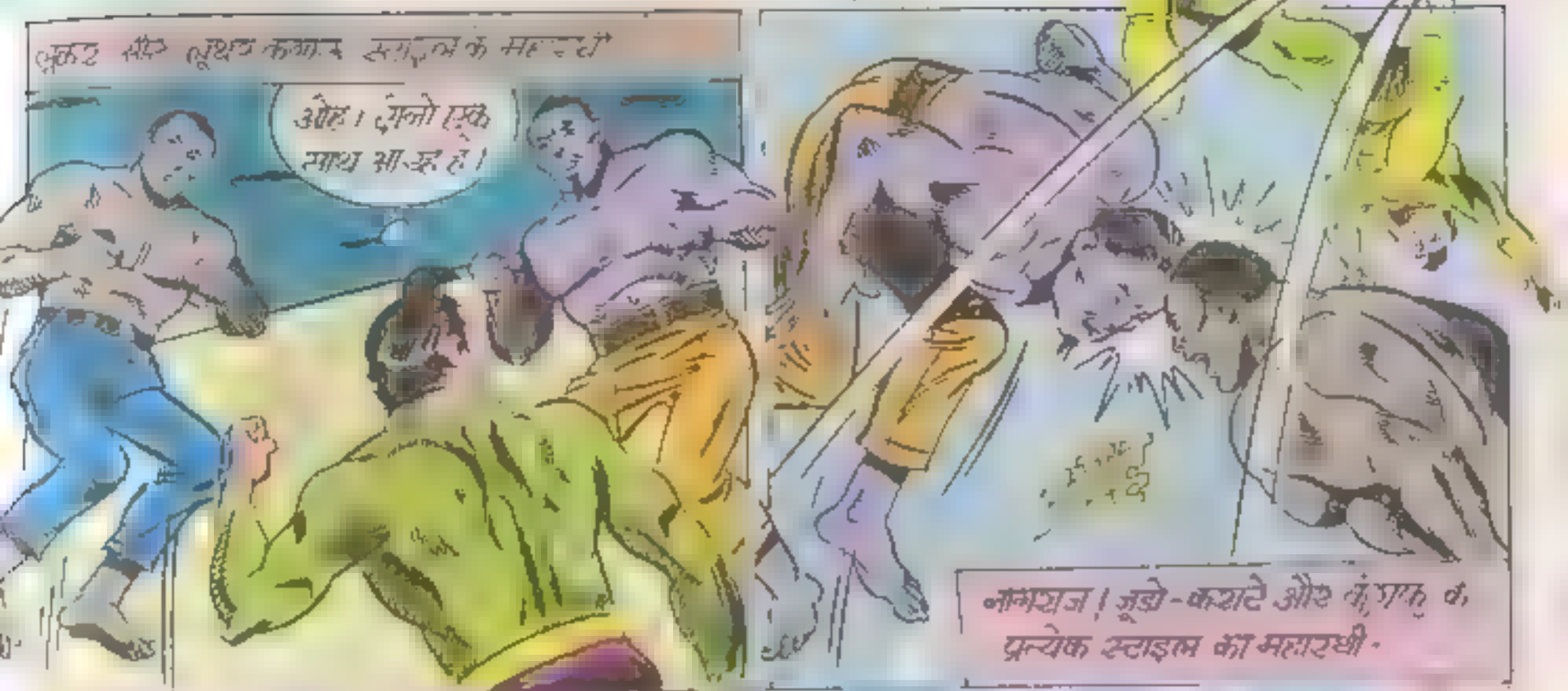
लेकिन तब तक
नागराज भी हो
चका था तैयार।

कंगारू-स्टाइल
में लड़ेगा।



दोनों हवा में ही
टकरा गए।





लॉम और धूनों की भांखें भी भय से फैल गईं



नागराज को अजगर के लफात को मसमना आसन्न किया



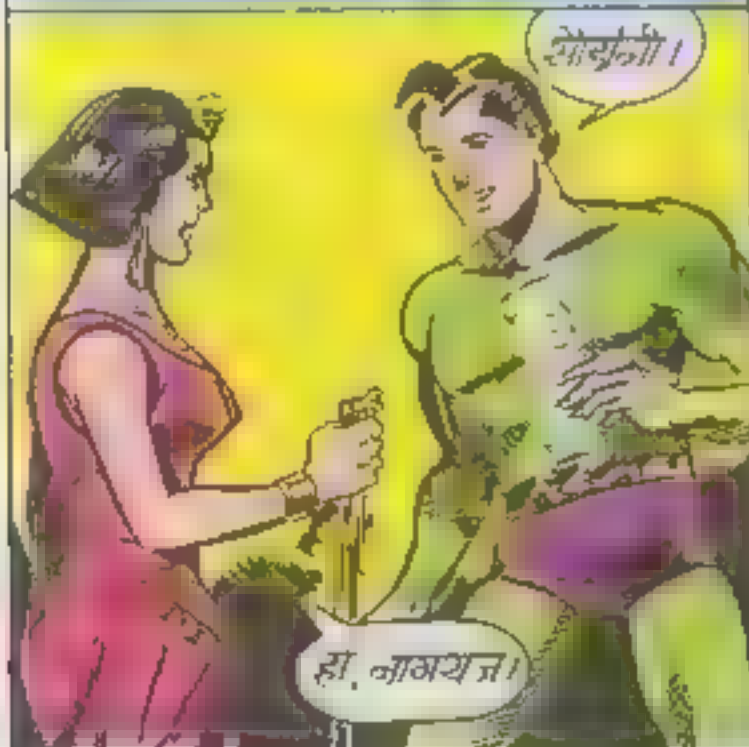
कृता मौल से काहली कम दूध ला-



धूनों के चारे की तरह लफात उस गणाल पर डुपटा एक स्कायम सो राधा-



नागराज भी धोत पड़ा वह धूना देस का



इसी पल-

जागरा ये फायर एक्स्टिंग्विशर और धुआँ में तो वही इन बन्दे जवानों को भगाने के काम जरूर आयेगा।

इस बन्दे को तर्कब काम कर गई

शुबाय, नहीं दोस्त।

शुबाय नाबंशज!

ठीक इसी पल-

हा हा हा। नागराज। बच्चों से बहुत प्यार है न नृशं। विश्व के बच्चों को ही बचाने आया है नृ यहां। देख गुरेला इन सबके साथ ही नृशक्या हमकशा है।

नागराज!

गुरेला के नास्तन मईलन की लंजी से रोदड़ो है भाले दुमन की ज्वाले के



शौशनी व आग्रेका प्रथक नन्हीं भास शर्ज ही वह आगनाक दुख्य देखकर -

अफ! मे तो पग हैवान है



रुन खोम उठा नागराज का।



हरिणा ! वर्यों में आतंक मचा दिया -

हाहा हा ! तुम
सबकी चमड़ी उधेड़
दाखेंगा !

सावली... साह

मैथिली क्रोध से पागल
हो गयी -

दुश्मिन्दे ! हाथ
मसलवा इन्
मादूमो को !

ओफरी !
साह !

गुरेणा के नामून सौदगी या धरय भागू
के धिक्के की तरह दीप शमन चाहने
गे। मजदू नागराज के होंगे
फा सम्भाव न था।

नागराज !

नागराज ने गुरेणा का नामन पकड़ कर - इंचाड किया

ऊँह

एक नो की झलक

आह

नागराज की
म्याम उधेड़ेगा !

ने ने नामून
ही नोड़ गमनवा
गुरेणा !

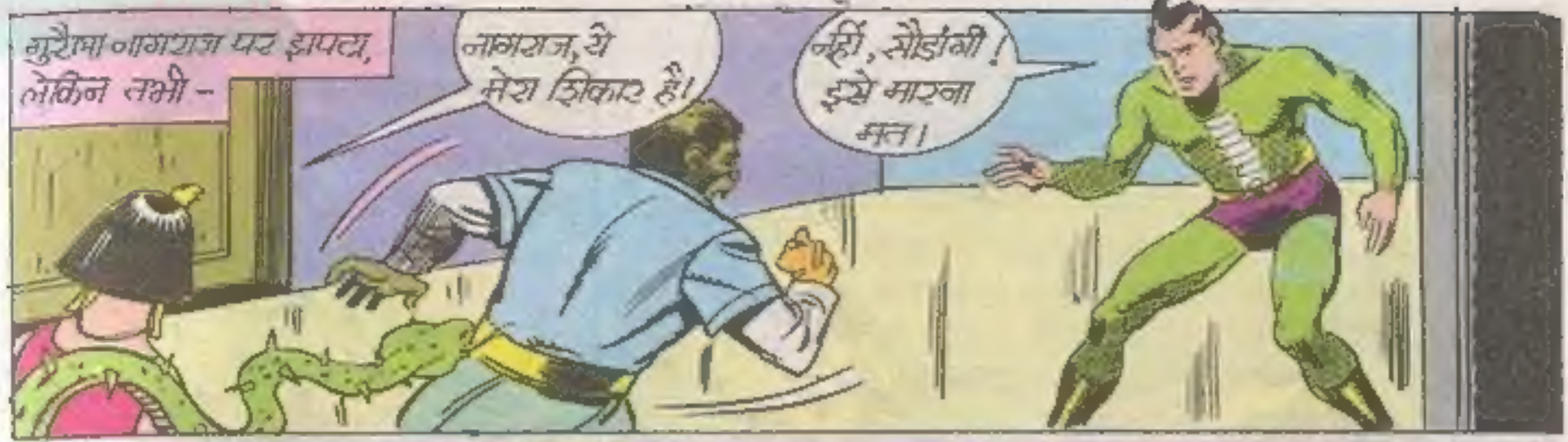
दुसरा भी कम न था।

उक

अकम गुरेणा,
आपके दिमाग
की गर्मी को ये
तंस्क देना।

गुरेणा ! बिम्बा धोप - मान - भू, सिखाद गुरेणा
के ओर किरी न नरों देखा था, भाच सक्के
भागने देनकान हो गया।

नागराज !
मैं तुम सक्का
मार दाखेंगा !



गुरैमा नागराज घर डायल,
लेकिन तभी -

नागराज, ये
मेरा शिकार है!

नहीं, सौदागी!
इसे मारना
मत।



सौदागी लिफ्ट गई उसकी गर्दन से -
मैं इसे इतनी जल्दी नहीं मारूँगी
नागराज। इसकी गर्दन से लच
तक लिफ्टी रहूँगी, जब तक
इसके जिस्म में बहते खून की
एक एक बूंद बाहर नहीं आ
जाएगी।



सौदागी की उस मार से लड़प
उठा गुरैमा -

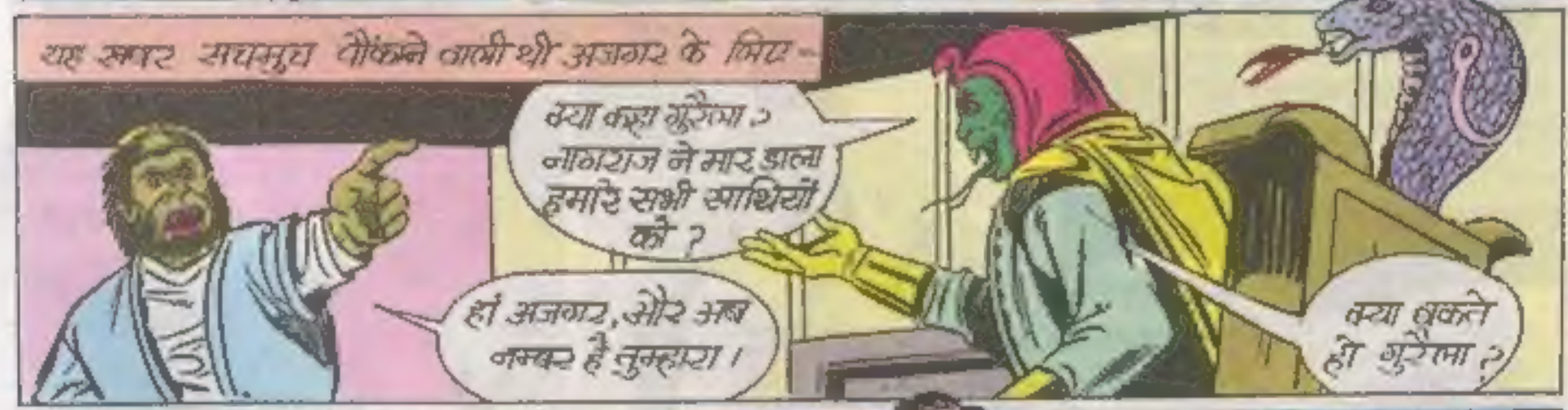
ये तो इच्छाधारी
नागिन है, उफ!

नागराज। मुझे
बचा लो इस नागिन से।
मैं तुम्हें अजगर का फा
दे सकता हूँ।



सौदागी। छोड़
दो इसे।

हिससा



यह स्मर सचमुच चौकने वाली थी अजगर के लिए -

क्या कहा गुरैमा ?
नागराज ने मार डाला
हमारे सभी साथियों
को ?

हां अजगर, और अब
नम्बर है तुम्हारा।

क्या बोलते
हो गुरैमा ?



तभी सौदागी आकर लिफ्ट गई गुरैमा से।



शायद मुझे
देख कर करिना
आ जाए अजगर

नागराज!

एक पाग भी व्यर्थ नहीं किया अजगर ने-

थैं थैं

नागराज भी तैयार था उस तूफान से छराने के लिए

बाहर निकलने से जांबाज सियाहियो

नागराज! अजगर से पहले तुल छराना होगा अजगर के भयानक तूफान से

नागराजकी सर्प सेना अपने शत्रु को लड़पने का भी मौका नहीं देती-



नागराज का एक बार भी नहीं सह सकी वह उड़ती मौल।

अजगर के तूफान का डट कर मुकाबला कर रहे थे नागराज के सर्प-



क्यों अजगर! कोई और तूफान है तो भेज उसे भी।



जीदा ही



नागराज के पांवों के नीचे से जमीन सरक गई

नागराज सम्भ्रम नहीं सका और लुढ़कता चला गया नीचे -

मौत थी नागराज से केवल कुछ ही दूर -

हा हा हा।
नागराज! नीचे
BOILING MUD है।
शर्ती रेत के नीचे
खोला हुआ
लावा।

अफ! शैतान
ने कैसी धार
चली है।

नागराज से लटक गया नागराज।

BOILING MUD एक
तश्तक का ज्वालामुखी
ही होता है। जहाँ रेत
के नीचे लावा खोला
रहता है। बाल-
बाल बचा हूँ।

अगर अजगर अपनी सफलता पर
बेहद प्रसन्न था।

किसी पता था कि नागराज को
मारने का श्रेय मिलेगा
मुझे।

नागराज की मौत का सपना देखने वाले उस शैतान को नागराज के रूप
में दिखाई पड़ी अपनी मौत।

नागराज! त...
तुम जिन्दा कैसे
बच गए?

BOILING MUD
मेरा नहीं लेता
इंतजार कर रहा
है अजगर!

और तभी -

हिंस्ट

यह क्या
है सोप?

नागराज ने नागराज को दिया एक तीव्र
झटका और

आह
नहीं

फिरामता चलाया अजगर
बॉयमिंग मड की ओर आती
उस फिरामन पर -

नहीं!
बचाओ नागराज!
मुझे बचाओ!

आह

बॉयमिंग मड में समा गया
अजगर।

नागराज ने भी सुनी
उसकी चीखें -

BOILING MUD
में हड्डियां तक
गल जायेंगी जैनाल
अजगर की।

ईईईई
भर भर

नागराज बाहर
निकला -

सौदागी! ये मड चुका है।
अब तो खोद दो इसे।

मैं जानती थी नागराज,
कि अजगर को समाप्त
कर तुम जानती ही बाहर
आओगे।

सौदागी मानव रूप में परिवर्तित
हो गई -

नागराज सभी बच्चे
होटल में तुम्हारा इंतजार
कर रहे होंगे। उन्हें उनके
मां-बाप तक पहुंचाना
है तुम्हें।

हां, यहां का
बकी काम तो अब
स्कॉटमैण्ड की पुलिस
सम्भाल लेगी।

फिर हेल्म पहने से पूर्व
ही सौदागी पूना नागराज
के जिस्म में समा गई।

अच्छा नागराज!
फिर बुलावा।

और एक शत स्त्रियों के साथ विदा
ली नागराज ने स्कॉटमैण्ड से -

सिगरेट के उत्पादन पर
तो रोक नहीं लगा सकता मैं।
लेकिन विश्व की जनता से
अपील करूंगा, इस धूराई
से दूर रहने की।
SAY NO TO
SMOKING